वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-7/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016
फोन : 0755-463380
फैक्स : 0755-461703
ई-मेल:eklavyamp@vsnl.com

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
website : www.srote.com

अंक 171
अप्रैल 2003

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

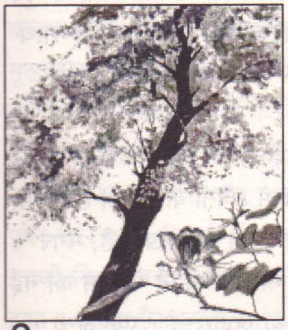

2 बसंत इतना रंगीन क्यों?

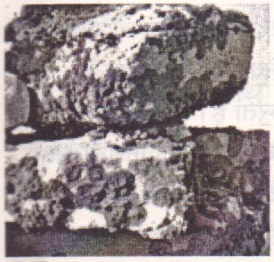

27 लाइकेन जीवन का एक उपयोगी संगम

39 क्या केला चुक रहा है?

चूहे की पूंछ
बसंत इतना रंगीन क्यों होता है : डॉ. किशोर पंवार 2
इतिहास शिक्षण - विकल्पों की तलाश : सी. एन. सुब्रमण्यम व रश्मि पालीवाल 5
धर्म और विज्ञान का बंदर मुकदमा : डॉ. सुशील जोशी 10
चश्मे का पावर बदलना आपके हाथ में : डॉ. बालसुब्रमण्यन 14
क्लोन डॉली की मृत्यु 16
अंतरिक्ष विज्ञान और सामाजिक विकास : निरूपा सेन 17
अंतरिक्ष विज्ञान, जैविकी और सरकारें : चक्रेश जैन 18
डी.एन.ए. - सुनहरी कुंडली : पी. बालाराम 21
बूंद दर बूंद नीला सोना : अमृता रेग्मी 23
लाइकेन जीवन का एक उपयोगी संगम : हंस राज नेगी 27
हम हिचकी क्यों लेते हैं? 30
दवाइयों को कारगर व सुरक्षित बनाने का नाम है प्रोड्रग : एच. सूर्यप्रकाश राव 32
कंजूस जीन का परिणाम है - डायबिटीज़ : डॉ. चन्द्रशीला गुप्ता 37
देख लो आज केलों को जी भर के 39
आकाश दर्शन 40
घोड़ों की नाल क्यों ज़रूरी?

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।